Table of Contents

1. □□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□
2. □□, □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□

निर्मला पुतुल का परिचय

निर्मला पुतुल का जन्म सन् 1972 में झारखंड के दुमका जिले में एक आदिवासी परिवार में हुआ। उनके पिता और चाचा शिक्षक थे, परंतु आर्थिक कठिनाइयों के कारण उनका प्रारंभिक शिक्षा जीवन संघर्षपूर्ण रहा। उन्होंने नर्सिंग में डिप्लोमा किया और बाद में इग्नू से स्नातक की डिग्री प्राप्त की। आदिवासी समाज और संथाली संस्कृति से उनका गहरा जुड़ाव था, जो उनकी रचनाओं में स्पष्ट दिखाई देता है।

निर्मला पुतुल की कविताओं में आदिवासी समाज की विसंगतियाँ, जैसे अशिक्षा, कुरीतियाँ, पुरुष वर्चस्व, पर्यावरण की हानि, और सामाजिक समस्याएँ प्रमुख विषय हैं। वे आदिवासी जीवन के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं को बेबाकी से प्रस्तुत करती हैं।

मुख्य बिंदु

- आदिवासी परिवेश और संघर्ष
- संथाली समाज की विसंगतियाँ और सकारात्मकताएँ
- प्रकृति और समाज के बीच संबंध
- शिक्षा और आर्थिक कठिनाइयाँ

Prepzy

पाठ्य प्रमाण

"उन्होंने आदिवासी समाज की विसंगतियों को तल्लीनता से उकेरा है - कड़ी मेहनत के बावजूद खराब दशा, कुरीतियों के कारण बिगड़ती पीढ़ी, थोड़े लाभ के लिए बड़े समझौते, पुरुष वर्चस्व, स्वार्थ के लिए पर्यावरण की हानि, शिक्षित समाज का दिक्कुओ और व्यवसायियो के हाथों की कठपुतली बनना आदि।"

अभ्यास प्रश्न

- निर्मला पुतुल के जीवन में किन-किन संघर्षों का उल्लेख किया गया है?
- उनकी कविताओं में आदिवासी समाज के कौन-कौन से पहलू प्रमुख हैं?
- संथाली समाज की कौन-सी विशेषताएँ उनकी रचनाओं में दिखाई देती हैं?

उत्तर कुंजी

- आर्थिक कठिनाइयाँ, शिक्षा में बाधाएँ, सामाजिक विसंगतियाँ।
- अशिक्षा, कुरीतियाँ, पर्यावरण की हानि, पुरुष वर्चस्व।

- सादगी, भोलापन, प्रकृति से जुड़ाव, कठोर परिश्रम, अशिक्षा, कुरीतियाँ।

शब्दावली

- विसंगतियाँ - असंगतियाँ, समस्याएँ
- कुरीतियाँ - गलत प्रथाएँ
- अक्खड़पन - रूखापन
- जुझारूपन - संघर्ष करने की प्रवृत्ति

Prepzy



□□, □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□

"[illegible], [illegible] [illegible]" [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

- □□□□□□□□ - □□□□□□
- □□□□□□□ - □□□
- □□□ - □□□
- □□□□□□□□□ - □□□□□□□
- □□□□□□□□□ - □□□□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□



